

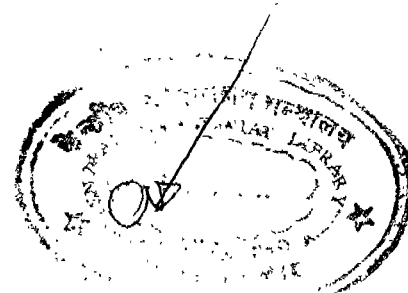


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रकाशित करने के अधिकार
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 104]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 19, 1993/फाल्गुन 28, 1914

No. 104]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 19, 1993/PHALGUNA 28, 1914

इस भाग में अलग-अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पोत परिवहन खंड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1993

सा.का.नि. 292(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 457 द्वारा प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र) नियम, 1960 को अधिकांत अद्यतन करने के निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ, —

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र) नियम, 1993 है।
- (2) यह 209 अंकक टके से कम के क्षेत्रीय जलमय पोतों से निम्न क्षेत्रों पर (जिनके अन्तर्गत मुख्य भूमि तथा अंडमान और निकोबार द्वीप आदि के बीच चल रहे तट से थोड़ी दूर के जलमय या अलमय हैं) लागू हुए नाविकों को लागू होगा।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में,—

- (क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है;
- (ख) "च.उ.प्र." से चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र या उन्मोचन का चलत प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ग) "प्ररूप" से इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप अभिप्रेत है—

- (घ) "पोत परिवहन मास्टर" से अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त पत्तन का पोत परिवहन मास्टर अभिप्रेत है।

3. च०उ०प्र० के लिए आवेदन —

- (1) कोई व्यक्ति, जो इन नियमों में यथाविनिर्दिष्ट सभी पात्रता शर्तों को पूरा करता है, च.उ.प्र. देने के लिए पोत परिवहन मास्टर को आवेदन कर सकेगा।
- (2) ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ आवेदक की फोटो की दो प्रतियां तथा यह घोषणा भी होगी कि आवेदक को इससे पूर्व च.उ.प्र. नहीं दिया गया है।

4. प्रमाणीकृत अधिकारियों से भिन्न नाविकों के लिए पात्रता शर्तें:—

(1) आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए;

(2) आयु सीमा:—

- | | |
|--|--|
| (1) डैक और इंजिन प्रशिक्षणार्थियों के लिए | 18 और 22 वर्ष के बीच |
| (2) अन्य प्रवर्गों के लिए [भंडारी, भंडारी मेंट, उपयोगिता स्टीवर्ड, उपयोगिता सहायक (डैक और सैलून) तथा तीसरा रसोइया] | 18 और 25 वर्ष के बीच, (उचित मामलों में अनुकंपा के आधार पर पोत परिवहन महानिदेशक के विवेकानुसार 30 वर्ष तक शिथिलनीय) |

(3) पेंटी आफिसर्स के लिए (बड़ई, प्रधान स्टीवर्ड, विजली मिस्त्री, फिटर, मशीन मिस्त्री पंपमैन और पोतनीय)	18 और 25 वर्ष के बीच
--	----------------------

(4) भूतपूर्व नौसेना रेटिंग के लिए	30 वर्ष तक
-----------------------------------	------------

(3) शैक्षणिक ग्रहताएं:

- | | |
|---|--|
| (1) डैक और इंजिन प्रशिक्षणार्थियों के लिए | दसवीं कक्षा पास |
| (2) अन्य प्रवर्गों के लिए | आठवीं कक्षा पास |
| (3) पेंटी आफिसर्स के लिए (पोतनीस को छोड़कर) | दसवीं कक्षा पास तथा साथ में सरकारी मान्यताप्राप्त संस्था द्वारा संबंधित व्यवसाय में दिया गया प्रवीणता प्रमाणपत्र |
| (4) पोतनीस के लिए | स्नातक और उसके साथ लेखा-कर्म तथा टंकण का ज्ञान |

(4) चिकित्सीय योग्यता: आवेदक के पास वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सा परीक्षा) नियम, 1986 के अधीन विहित प्ररूप में दिया गया इस प्रभाव का प्रमाणपत्र होना चाहिए कि वह पोतों पर नियोजित किए जाने के लिए चिकित्सीय रूप से योग्य है;

(5) नाविक नियोजन बोर्ड द्वारा गठित जयन समिति द्वारा डैक और इंजिन के प्रवर्गों के लिए रेटिंग के रूप में चुने गए आवेदक के लिए पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा यथा अनुमोदित और सरकार द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण स्थापनाओं द्वारा संचालित सागर-पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेना अपेक्षित है।

या

(6) कोई आवेदक जिसे पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा अनुकंपा के आधार पर नियोजन दिया गया है।

(7) आवेदक भारत में किसी पोत परिवहन मास्टर द्वारा इससे पूर्व दिया गया कोई च.उ.प्र. धारण नहीं करेगा।

5. प्रमाणीकृत अधिकारियों के लिए पात्रता:—

कोई भारतीय नागरिक, जिसके पास अधिनियम की धारा 78 के अधीन दिया गया विधिमाम्य सक्षमता प्रमाणपत्र या अधिनियम की धारा 86 के अधीन मान्यताप्राप्त प्रमाणपत्र है, च.उ.प्र. दिए जाने की प्रार्थना करने के लिए पात्र होगा, परन्तु यह तब जब कि वह अधिनियम के उपबंधों के अनुसार किसी पोत पर लगा हुआ है।

6. च.उ.प्र. का दिया जाना:—

(1) पोत परिवहन मास्टर, च.उ.प्र. में आवेदक की विवरणात्मक विशिष्टियां प्रविष्ट होने और उसके फोटो लग जाने के पश्चात् फोटो पर अपने हस्ताक्षर और शासकीय मुद्रा लगाएगा और नियम 4 में अधिकारित सभी शर्तों को पूरा करते हुए उसे आवेदक को देगा।

- (2) इन नियमों के अधीन दिया गया च.उ.प्र., प्ररूप-1 में होगा और क्रमानुसार संख्यांकित होगा। उस पर इन नियमों के उपाबंध में यथाविनिर्दिष्ट उसे देने वाले पत्तन का नाम और पत्तन के सुभिन्न कोड अक्षर होंगे।

7. च.उ.प्र. का रजिस्टर—

- (1) पोत परिवहन मास्टर अपने पत्तन से नाविकों को दिए जाने वाले च.उ.प्र. का एक रजिस्टर प्ररूप-2 में रखेगा जिसमें च.उ.प्र. में अभिलिखित सभी विविष्टियां होंगी।
- (2) पत्तन में दिए गए च.उ.प्र. में सभी पश्चात्पूर्ती विविष्टियां भी उक्त रजिस्टर में अभिलेखबद्ध की जाएंगी।

8. विधिमाम्यता की अवधि—

इन नियमों के अधीन दिया गया च.उ.प्र. 5 वर्ष की अवधि के लिए विधिमाम्य होगा और उसकी समाप्ति पर धारक की प्रार्थना पर एक समय में पांच वर्ष तक की और अवधि के लिए पुनः विधिमाम्य किया जा सकेगा, यदि उसका धारक सेवारत नाविक है और उसका च.उ.प्र. इन नियमों के अधीन रद्द नहीं किया गया है, वापस नहीं लिया गया है या निलम्बित नहीं किया गया है।

9. अभित्यजन आदि की रिपोर्ट—

अधिनियम की सुरा 192 के प्रयोजनों के लिए, उचित अधिकारी पोत परिवहन मास्टर होगा।

10. च.उ.प्र. का रद्दकरण या निलंबन :—

- (1) जहां महानिदेशक द्वारा प्राप्त रिपोर्ट पर उसका समाधान हो जाता है कि किसी नाविक ने अधिनियम की धारा 192 में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में अपने पोत का अभित्यजन कर दिया है या वह उप अधिनियम की धारा 195 की उपधारा(2) में निर्दिष्ट प्रकृति के अपराध के लिए दोषसिद्ध किया गया है, वहां पोत परिवहन महानिदेशक उस पोत परिवहन मास्टर को, जिसने च.उ.प्र. दिया था, उसे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए विधारित या निलंबित करने का या रद्द करने का आदेश दे सकेगा।
- (2) यदि वैध रूप से लगा हुआ कोई नाविक अधिनियम की धारा 194 में वर्णित कार्यों में से कोई कार्य करने के अपराध का दोषी है या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध किया गया है वहां महानिदेशक यह निदेश दे सकेगा कि उस नाविक का च.उ.प्र. रद्द किया जाएगा या ऐसी अवधि के लिए, जो निदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, विधारित या निलंबित किया जाएगा।
- (3) च.उ.प्र. के रद्दकरण या निलंबन या उसे विधारित करने के पूर्व, च.उ.प्र. के धारक को पोत परिवहन मास्टर के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। पोत परिवहन मास्टर च.उ.प्र. के धारक को विधारण रद्दकरण/निलंबन के कारण भी यदि उनका फैसला हो गया है, सूचित करेगा।
- (4) कोई व्यक्ति, जो च.उ.प्र. के रद्दकरण, निलंबन या विधारण के लिए पोत परिवहन मास्टर के किसी आदेश द्वारा व्यथित है, अपने द्वारा ऐसे आदेश की प्राप्ति के 60 दिन के भीतर पोत परिवहन महानिदेशक को अपील कर सकेगा और ऐसी अपील पर पोत परिवहन महानिदेशक का विनिश्चय अन्तिम होगा।

11. निर्बंधित च.उ.प्र. का दिया जाना :

पोत परिवहन कंपनी की विनिर्दिष्ट प्रार्थना पर किसी व्यक्ति को दिया गया च.उ.प्र. उक्त कंपनी के जलयानों पर केवल सेवा के लिए ही विधिमाम्य होगा। ऐसा च.उ.प्र. उक्त पोत परिवहन कंपनी द्वारा पोत परिवहन मास्टर को, धारक का कंपनी का कर्मचारी न रहने पर, शीघ्र लौटा दिया जाएगा। पोत परिवहन मास्टर द्वारा ऐसा च.उ.प्र. की प्राप्ति न होने की दशा में वह उक्त कर्मचारी के च.उ.प्र. को रद्द करेगा।

12. रद्द किए गए च.उ.प्र. आदि का रजिस्टर—

पोत परिवहन मास्टर ऐसे च.उ.प्र. का एक रजिस्टर रखेगा जो नियम 10 और नियम 11 के अधीन विधारित, रद्द या निलंबित किए गए हैं।

13. कतिपय दशाओं में च.उ.प्र. का न दिया जाना—

- (1) इन नियमों के अधीन किसी ऐसे नाविक को, जिसका आवेदन किसी एक पत्रन के पोत परिवहन मास्टर द्वारा नामंजूर कर दिया गया है और वही आवेदक इस तथ्य को छिपाते हुए किसी अन्य पत्तन के पोत परिवहन मास्टर को आवेदन करता है, कोई च.उ.प्र. नहीं दिया जाएगा।

- (2) जहाँ च.उ.प्र. के बिंदु जाने की प्रार्थना सम्बन्धित कर दी जाती है, वहाँ संबंधित व्यक्तियों को उसके कारण सूचित किए जाएंगे और आवेश की एक प्रति सभी अन्य पोत परिवहन मास्टरों तथा पोत परिवहन महानिदेशक को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

14. च.उ.प्र. की दूसरी प्रति—

जहाँ किसी सेवारत नाविक का इन नियमों के अधीन दिया गया च.उ.प्र. गलत स्थान पर रखा गया है, खो गया है, विनष्ट हो गया है, विकृत या विकृत हो गया है वह संबंधित नाविक संबंधित पोत के पोत परिवहन मास्टर को च.उ.प्र. की दूसरी प्रति, उसने पूर्ववर्ती यात्राओं की सभी प्रविष्टियों या उसने अभिलिखित प्रविष्टियों के संक्षेप के माध्यम से लिख कर भेज सकता है।

15. च.उ.प्र. की विवरणीय—

प्रत्येक पोत परिवहन मास्टर, प्रत्येक तिमाही के प्रारम्भ में, महानिदेशक को पूर्ववर्ती तिमाही के दौरान उसके पतन से नाविकों को दिए गए च.उ.प्र. की संख्या की वास्तविक विवरणी प्रारूप-3 में देगा।

16. उन्मोचन पर प्रवेश

- (1) उन्मोचन के समय, नाविक को, यदि वह चाहे तो, उस पोत के मास्टर द्वारा जिस पर वह सेवा कर रहा है, च.उ.प्र. में एक प्रविष्टि दी जाएगी जिसमें अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट विविधियाँ निर्दिष्ट होंगी।
- (2) च.उ.प्र. में की गई प्रविष्टियाँ उन्मोचन के पतन के पोत परिवहन मास्टर द्वारा अनुमतिपत्र की जाएगी और तत्पश्चात् च.उ.प्र. संबंधित नाविक को लौटा दिया जाएगा।

17. उन्मोचन के प्रमाणपत्र :—

- (1) कोई नाविक पतन के पोत परिवहन मास्टर को, च.उ.प्र. के स्थान पर किसी निविदिष्ट समुदाय यात्रा के लिए लागू उन्मोचन का प्रमाणपत्र उस देने के लिए भेज देगा।
- (2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट उन्मोचन का प्रमाणपत्र प्रारूप-4 में होगा।
- (3) नियम (9) और नियम (10) के उपबंध इस नियम के अधीन दिए गए उन्मोचन के प्रमाणपत्रों को लागू होंगे।

[फॉर्म नं. 10 (10) 92-एमटी]

एस.एम्.ए. मन्त्रालय संयुक्त भविष्य
प्रारूप-1

पृष्ठ 1-2

(निर्माण (1) देखिए)

संश्लेषक

वस्तु उन्मोचन प्रमाणपत्र

वाणिज्य-सेवा परिवहन (वस्तु-उन्मोचन प्रमाणपत्र) नियम, 1998 के अधीन जारी

कोटी नं. कोटी/महा

नाविक का नाम

पतन का कोड सं. और

उन्मोचन पुस्तक

उन्मोचन पुस्तक

टिप्पणी: उपरोक्त कोटी पोत परिवहन कार्यालय की मुद्रा भागत: कोटी पर और भागत: पुस्तक पर लगाकर पोत परिवहन मास्टर के हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित की जानी चाहिए।

नाविकों को सूचना

(1) नाविकों को सूचित किया जाता है कि यह चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र, करार के अनुच्छेदों पर हस्ताक्षर करते समय, पोत परिवहन मास्टर या कौंसल को प्रस्तुत करके उन्हें सौंप दिया जाना चाहिए जिस कि नियुक्ति स्तंभ को भरा जा सके और प्रमाणपत्र पोत के मास्टर की पास सुरक्षित अभिरक्षा में दिया जा सके।

(2) यदि नाविक अभित्यजन करता है या पदभार ग्रहण करने में असफल रहता है तो मास्टर उसकी पुस्तक को, पोत-परिवहन मास्टर या कौंसल के पास या ऐसे पत्तन पर जहाँ उसने पोत छोड़ा था, जमा करेगा, जो उसे नियुक्ति पत्तन के पोत परिवहन मास्टर को भेजेगा।

(3) यदि यह प्रमाणपत्र विरूपित हो जाता है या फट जाता है या वह पूरा भर जाता है, या गुप्त हो जाता है तो पोत परिवहन मास्टर आवेदन किये जाने पर इसकी दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए प्रबंध करेगा।

(4) नाविकों को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रमाणपत्र में की गई प्रविष्टियों को ठीक या परिवर्तित न करें या किसी भी रूप में उनके साथ गड़बड़ न करें और यदि वे ऐसा करते हैं तो वे अभियोजन के वायित्व के अधीन होंगे।

(5) नाविकों को सूचना दी जाती है कि चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र का प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् पुनःविधिमार्गकरण कराया जाना चाहिए और पुनःविधिमार्गकरण के समय फोटो बदला जाना चाहिए।

(6) नाविकों को सूचित किया जाता है कि यदि नाविक उस कंपनी का कर्मचारी नहीं रह जाता है तो पोत परिवहन कंपनी के अनुरोध पर जारी किये गये चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र को पोतपरिवहन मास्टर को आगे भेजने के लिए पोतपरिवहन कंपनी के पास अभ्यर्पित किया जाना चाहिए।

टिप्पण:—यदि यह प्रमाणपत्र किसी ऐसे व्यक्ति के कब्जे में आ जाता है जिससे इसका संबंध नहीं है तो यह पोतपरिवहन मास्टर या निकटतम वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय में दे देना चाहिए या पोतपरिवहन महानवेशालय, मुम्बई को भेजा जाना चाहिए।

संग्रीतक

*विदेशगामी

भारत सरकार द्वारा जारी

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र

देशीय व्यापार

नाविक का पूरा नाम	जन्म की तारीख	जन्म का स्थान और राष्ट्रीयता	धर्म	सक्षमता प्रमाणपत्र, यदि कोई हो
पिता का नाम			श्रेणी	संख्यांक
कद	(1) आँखों (2) बालों का रंग	रूप रंग	गोदने का या अन्य सुभेदक चिन्ह	
फुट	इंच			
	(1)			
	(2)			

(1) चिकित्सा रोस्टर सं. और पत्तन

(2) सागर-पूर्व प्रशिक्षण प्रमाणपत्र सं.
और जारी करने का स्थान(3) नाविक का रोजगार कार्यालय
रजिस्ट्रिकरण सं., पत्तन और तारीख(4) दक्ष नाविक के रूप में दस्तावेज
प्रमाणपत्र(3) रसोई पकाने का सक्षमता
प्रमाणपत्र सं.

पत्तन पर जारी किया गया

तारीख

नाविक के हस्ताक्षर या

बाएँ अंगूठे का निशान

*जो लागू न हो काट दें।

पोतपरिवहन मास्टर

चलत उम्मीदन प्रमाणपत्र

सं.	पोस्ट का नाम और शासकीय संख्या, और टन भार*	निम्नलिखित की तारीख और स्थान		रेटिंग	समुद्रयात्रा का विवरण	मास्टर और पोस्टपरिवहन मास्टर कौन्सिलर अधि-कारी के हस्ताक्षर और शासकीय मुद्रा	
		नियुक्ति	उम्मीदन				
1	2	3	4	5	6		7
1					1	(1)	
						(2)	
2					2	(1)	
						(2)	
3					3	(1)	
						(2)	
4					4	(1)	
						(2)	
5					5	(1)	
						(2)	
6					6	(1)	
						(2)	
7					7	(1)	
						(2)	
8					8	(1)	
						(2)	
9					9	(1)	
						(2)	
10					10	(1)	
						(2)	

1	2	3	4	5	6	7
11					11	(1) (2)
12					12	(1) (2)
13					13	(1) (2)
14					14	(1) (2)
15					15	(1) (2)
16					16	(1) (2)
17					17	(1) (2)
18					18	(1) (2)
19					19	(1) (2)
20					20	(1) (2)
21					21	(1) (2)
22					22	(1) (2)
23					23	(1) (2)

1	2	3	4	5	6	7
						(1)
24					24	(2)
						(1)
25					25	(2)
						(1)
26					26	(2)
						(1)
27					27	(2)
						(1)
28					28	(2)
						(1)
29					29	(2)
						(1)
30					30	(2)
						(1)
31					31	(2)
						(1)
32					32	(2)
						(1)
33					33	(2)
						(1)
34					34	(2)
						(1)
35					35	(2)
						(1)
36					36	(2)

1	2	3	4	5	6	7
						(1)
37					35	(2)
						(1)
38					38	(2)
						(1)
39					39	(2)
						(1)
40					40	(2)
						(1)
41					41	(2)
						(1)
42					42	(2)
						(1)
43					43	(2)
						(1)
44					44	(2)
						(1)
45					45	(2)
						(1)
46					46	(2)
						(1)
47					47	(2)
						(1)
48					48	(2)
						(1)
49					49	(2)
						(1)
50					50	(2)

1	2	3	4	5	6	7
						(1)
51					51	(2)
						(1)
52					52	(2)
						(1)
53					53	(2)
						(1)
54					54	(2)

*ये स्तंभ नियुक्ति के समय भरे जाने चाहिए।

इंजीनियर पुस्तक में अवलम्बित करें। रेडियो अधिकारी पुस्तकों में पोत का सकल टन भार और बेतार; का वर्गीकरण करें।

नाविक के घर का पता
(नाविक द्वारा भरा जाए)

पते सहित नाविक का निकट संबंधी

नाम और नातेदारी—

पता—

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र का रजिस्टर

प्ररूप 2

संप्रतीक

भारत सरकार द्वारा
जारी किया गया

नियम 7 देखिए

उन्मोचन पुस्तक का रजिस्ट्रीकृत सं. —

प्रमाणपत्र जारी किए जाने की तारीख—

- (1) चिकित्सा रजिस्टर सं. और पत्तन—
- (2) सागर पूर्व प्रशिक्षण प्रमाणपत्र सं.
और जारी किए जाने का स्थान—
- (3) नाविक का रोजगार कार्यालय,
रजिस्ट्रीकरण सं. पत्तन और तारीख—
- (4) रक्षा नाविक के रूप में
दक्षता प्रमाणपत्र—
- (5) रसोई पकाने का सक्षमता प्रमाणपत्र सं. —

नाविक का फोटो

(प्रकाश 2 जारी)

नाविक का पूरा नाम _____ जन्म की तारीख _____ जन्म का स्थान और राष्ट्रीयता _____ मूलवंश या धर्म _____
 ग्राम _____ संक्षमता प्रमाणपत्र आदि _____
 थाना _____ कोई हो _____
 *नाविक के पिता का नाम _____ डाकघर _____
 जिला _____ श्रेणी _____ संख्यांक _____

कद		आँखों का रंग	बालों का रंगरूप	गोदने या अन्य समेदक चिह्न
कुट	इंच			

नाविक द्वारा प्राप्त किसी प्रोत्साहन या प्रशंसा का अभिलेख।

(इस प्रविष्टि पर पोत परिवहन मास्टर द्वारा तारीख और मोहर सहित हस्ताक्षर किए जाएं)

नाविक के हस्ताक्षर या बाएं अंगूठे का निशान
 _____ को जारी किया गया
 _____ पोत परिवहन मास्टर

*टिप्पण :—रुकने संबंधी आदेश ध्यान आकर्षित करने के लिए लाल स्याही में लिखे जाने चाहिए। रुकने संबंधी आदेश और अन्य आदेश, जैसे ही प्रवर्तन में न रहें, रद्द किए जाने हैं। इस रजिस्टर में की गई सभी प्रविष्टियों, परिवर्धनों और परिवर्तनों पर पोत परिवहन मास्टर द्वारा आद्याक्षर किए जाने चाहिए, अन्यथा उन्हें मान्यता प्राप्त नहीं होगी। लिपिकों को यह चेतावनी दी जाती है कि यदि वे इस रजिस्टर में गड़बड़ करते हैं तो वे अभियोजित किए जाने के दायी होंगे।

सं.	पोत का नाम और शासकीय संख्यांक और टनभार *	निम्नलिखित की तारीख और स्थान	रेटिंग	समुद्र यात्रा का विवरण	मास्टर का नाम	पोतपरिवहन मास्टर के आद्याक्षर
		निवृत्ति	उन्मोचन			

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

बाएं अंगूठे का निशान

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

32

33

34

35

36

37

38

1	2	3	4	5	6	2
39						
40						
41						
42						
43						
44						
45						
46						
47						
48						
49						
50						
51						
52						
53						
54						
55						
56						
57						
58						
59						

इंजीनियर पुस्तक में अश्वशक्ति भरे रेडियों अधिकारी पुस्तक में पोत का सकल टन भार, और बेतार का पंजीकरण करें।

प्ररूप 3-

(नियम 15 देखिए)

पत्तन पर को समाप्त होने वाले क्वार्टर के दौरान नागरिकों को जारी किया गया चलत उन्मोचन प्रमाण पत्र की बाबत विवरणी।

जारी किया गया जलत उन्मोचन प्रमाण पत्र सं.

ईक

इंजन कक्ष

संलून

योग

विदेशगामी

देशीय व्यापार

जारी किए गए जलत उन्मोचन प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति का संख्यांक

पोत परिवहन मास्टर

सेवा में

पोतपरिवहन महानिदेशक

मुम्बई

उपाबंध

नियम 6(2) देखिए

जलत उन्मोचन प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजनों के लिए पत्तन का नाम, उन के कोड अक्षर

पत्तन का नाम

कोड अक्षर

1. मुम्बई

बी वाई

2. कलकत्ता

सी एल

प्ररूप 4

(नियम 17 देखिए)

उन्मोचन प्रमाणपत्र

(वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 119)

सं. संप्रतीक

से उन्मोचित नाविक

पोत का नाम

भारत सरकार द्वारा
बिहित

शासकीय संख्यांक

पोत का नाम और
शासकीय संख्यांक

रजिस्ट्री पत्तन

टन भार

समुद्र यात्रा या नियोजन
का वर्णन

रजिस्ट्री पत्तन

नाविक का
नामजन्म स्थान
जन्म की
तारीखसक्षमता
नियुक्ति की
तारीखउन्मोचन
की तारीखउन्मोचन
का स्थान

नाविक का नाम

कद और पहचान चिह्न

गृह पत्तन से यात्रा की तारीख गृह पत्तन पर पहुंचने की तारीख

जारी किए जाने की तारीख

पोत परिवहन
मास्टर के हस्ताक्षर

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त विशिष्टियाँ सही हैं और ऊपर जामित जाविक को तदनुसार उन्मोचित किया गया था।

तारीख— 19

नाविक

मास्टर

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

NOTIFICATION

New Delhi the 19th March, 1993

G.S.R. 292 (E).—In exercise of the powers conferred by section 457 of Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificates) Rules, 1960, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short Title, Application and Commencement:—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Rules, 1993.

(2) They shall apply to seamen engaged on ships, (including offshore vessels or vessels plying between mainland and Andaman and Nicobar Islands etc.) other than Home Trade Ships of less than 200 tons gross.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules,—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958)

(b) "C.D.C." means a Continuous Discharge Certificate or Continuous Certificate of Discharge;

(c) "Form" means a form appended to these rules;

(d) "Shipping Master" means a Shipping Master of a port appointed under sub-section (1) of section 11 of the Act.

3. Application for C.D.C.—(1) Any person who fulfills all the eligibility conditions as specified in these rules, may apply to the Shipping Master for the issue of a C.D.C.

(2) Every such application shall be accompanied by two copies of the applicant's photograph and also a declaration that a C.D.C. has not previously been issued to the applicant.

4. Eligibility conditions for seamen other than Certificated Officers.—(1) The applicant should be a citizen of India;

(2) Age Limit.—

(i) For deck and engine trainees

Between 18 and 22 years.

(ii) For other categories [Bhandary, Bhandary Mate, Utility Steward, Utility hand (Deck & Saloon) and Third Cook].

Between 18 and 25 years; (relaxable upto 30 years at the discretion of the Director General of Shipping in deserving cases on compassionate grounds).

(iii) For Petty Officers (Carpenter, Chief Steward, Electrician, Fitter, Machinist, Pump man and Purser)

Between 18 and 25 years.

(iv) For ex-Naval ratings

Upto 30 years.

(3) Educational Qualifications:

- | | |
|---|---|
| (i) For Deck and Engine trainees | X Standard passed. |
| (ii) For other categories | VIII Standard passed. |
| (iii) For Petty Officers (excluding Purser) | X Standard passed with proficiency certificate in the respective trade issued by a Government recognised Institute. |
| (iv) For Purser | A graduate with knowledge of accountancy and typing. |

(4) Medical Fitness: The applicant should possess a certificate in the prescribed form issued under Merchant Shipping (Medical Examination) Rules, 1986, to the effect that he is medically fit to be employed on ships;

(5) An applicant selected as a rating by the Selection Committee constituted by the Seamen's Employment Board for the category of Deck and Engine are required to undergo pre-sea training course as approved by the Director General of Shipping and conducted by the Government approved/recognised training establishments.

OR

(6) An applicant who is given employment on a compassionate ground by the Director General of Shipping.

(7) An applicant shall not hold any C.D.C. issued earlier by any Shipping Master in India.

5. Eligibility for Certificated Officers.—An Indian citizen who is in possession of a valid certificate of competency issued under section 78 of the Act or a certificate recognised under section 85 of the Act is eligible to request for issue of a C.D.C., provided he is engaged on a ship in accordance with the provisions of the Act.

6. Issue of C.D.C.—(1) The Shipping Master shall, after the descriptive particulars of the applicant have been entered in and the photograph affixed to the C.D.C., affix his signature and official seal on the photograph and issue the same to the applicant, fulfilling all the conditions laid down in rule 4.

(2) A C.D.C. issued under these rules shall be in Form-1 and shall be serially numbered. It shall also bear the name of the port of issue and the distinguishing code letters of the port as specified in the Annexure to these rules.

7. Register of C.D.Cs.—(1) The Shipping Master shall maintain a register of C.D.Cs issued to seamen from his port, in Form-2, which shall contain all the particulars recorded in the C.D.C.

(2) All subsequent entries in the C.D.Cs issued from the port shall also be recorded in the said Register.

8. Period of Validity.—A C.D.C. granted under these rules shall be valid for a period of five years and may be revalidated on expiry, on a request from the holder, for a further period up to five years at a time if the holder is a serving Seaman and his C.D.C. has not been cancelled, withdrawn or suspended under these rules.

9. Report of desertion etc.—For the purposes of section 192 of the Act, the proper officer shall be the Shipping Master.

10. Cancellation or suspension of a C.D.C.—(1) Where on a report received by him the Director General is satisfied that a Seaman has deserted his ship in the circumstances specified in section 192 or that he has been convicted of an offence of the nature referred to in sub section (2) of section 195 of the Act, the Director General of Shipping may direct the Shipping Master, who issued the C.D.C., to withhold or suspend for a specified period or cancel it.

(2) If a Seaman lawfully engaged is guilty of an offence of committing any of the acts mentioned in section 194 of the Act or is convicted of an offence under any other law for the time being in force, the Director General may direct that the Seaman's C.D.C. shall be cancelled or shall be withheld or suspended for such period as may be specified in the direction.

(3) Before cancellation or suspension or to withhold the C.D.C., the C.D.C. holder shall be given an opportunity to represent his case before the Shipping Master. Shipping Master shall also intimate the reasons of withholding cancellation/suspension to the C.D.C. holders if the same is decided upon.

(4) Any person aggrieved by any order of Shipping Master for cancellation, suspension or withholding of the C.D.C., he may, within 60 days of receipt of such order by him, appeal to the Director General of Shipping and the decision of the Director General of Shipping on such appeal shall be final.

11. Issue of Restricted C.D.C.—A C.D.C. issued to a person at the specific request of a Shipping Company, shall be valid for service only on vessels of the said Company. Such C.D.C. shall be returned to the Shipping Master by the said Shipping Company as soon as the holder ceases to be an employee of the Company. In the event of non-receipt of such C.D.C. by the Shipping Master, he shall cancel the C.D.C. of the said employee.

12. **Register of cancelled C.D.Cs etc.**—The Shipping Master shall maintain a register of C.D.Cs which have been withheld, cancelled or suspended, under rules 10 and 11.

13. **C.D.C. not to be issued in certain cases.**—(1) No C.D.C. shall be issued to a seaman under these rules whose application has been rejected by a Shipping Master of one port and the same applicant is applying to the Shipping Master of an other port suppressing the fact.

(2) Where the request for the issue of C.D.C. is rejected, the reasons for the same shall be intimated to the persons concerned and a copy of the order should be endorsed to all other Shipping Masters and the Director General of Shipping.

14. **Duplicate C.D.C.**—Where a C.D.C. of a serving seaman issued under these rules is mislaid, lost, destroyed, defaced or mutilated, the seaman concerned may apply to the Shipping Master of the port concerned to issue a duplicate copy of the C.D.C. with all entries of previous voyages or a summary of these recorded therein.

15. **Returns of C.D.C.**—Every Shipping Master shall, at the beginning of each quarter furnish to the Director General a return in Form-3 of the number of C.D.Cs issued to seamen from his port during the previous quarter.

16. **Entry on Discharge.**—(1) At the time of discharge, the seaman's all, if he so desires, be granted by the Master of the ship on which he has been serving an entry in the C.D.C. specifying the particulars referred to in sub-section (2) of section 120 of the Act.

(2) The entries made in the C.D.C. shall be attested by the Shipping Master of the port of discharge, and there after the C.D.C. shall be returned to the seaman concerned.

17. **Certificates of Discharge.**—(1) A seaman may apply to the Shipping Master of port of the issue to him of a certificate of discharge applicable for any specified voyage instead of a C.D.C.

(2) The certificate of discharge referred to in sub-rule (1) shall be in form-4.

(3) The provisions of rules (9) and (10) shall apply to certificates of discharge issued under this rule.

[File No. B-11015/10/92-MT]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.

Port 127

Form 1

[See rule 6(1)]

Emblem

CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE

Issued under Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Rules, 1993

Photograph : Official Stamp

Name of the Seaman

Code No. of the Port and

Registered No. of
the Discharge Book

Note:—The above photo should be authenticated by impressing the Shipping Office Stamp and the Signature of the Shipping Master partly on the photo and partly on the book

Notice to Seamen

(1) Seamen are informed that this continuous discharge certificate should be produced and handed to the Shipping Master, or Consul when signing Articles of Agreement, so that the engagement column may be filled in and the certificate given into the safe keeping of the Master of the ship.

(2) Should the seaman desert or fail to join, his book will be deposited by the Master with the Shipping Master or Consul or the port where he left the ship, who will forward it to the Shipping Master of the port of engagement.

(3) Should this certificate become defaced or torn or filled up or should it get lost the Shipping Master will, on application, arrange for the issue of a duplicate.

(4) Seamen are warned not to correct, alter or in any way tamper with the entries on this certificate as they are liable to be prosecuted if they do so.

(5) Seamen are informed that the CDCs should be revalidated after every five years and change the Photograph at the time of revalidation.

(6) Seamen are informed that CDC issued at the request of Shipping Company should be surrendered to the Shipping Company concerned for onward transmission to Shipping Master if the seaman ceases to be an employee of that Company.

Note:—Should this Certificate come into the possession of any person to whom it does not belong, it should be handed to the Shipping Master, or the nearest Mercantile Marine Office, or be transmitted to the Directorate General of Shipping, Bombay.

Emblem
Issued by
THE GOVERNMENT OF INDIA

CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE

*FOREIGN GOING
HOME TRADE

Name of seaman in full	Date of Birth	Place of Birth and Nationality	Religion	Certificate of Competency
Name of father				
				Grade Number

Height		Colour of	Complexion	Tattoo or other Distinguishing Marks
Feet	Inches	(1) Eyes (2) Hair		
		(1)		
		(2)		

Record of any award or commendation received by the Seaman. The entry should be signed by the Shipping Master, dated and stamped.

(1) Medical Roster No. & Port.....

(2) Pre-sea Training Certificate
No. and place of issue.....

(3) Seamen's Employment Office
Registration No. Port & Date.....

(4) Certificate of Efficiency as a
Lifeboatman.....

(5) No. of Certificate of Competency
in cooking.....

Issued at the Port of.....

Dated

Signature of
Seaman or left hand Shipping Master
thumb impression

*Strike out as necessary.

CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE

No.	*Name of ship and official number, and tonnage †	Date & Place of Engagement* Discharge		*Rating	Description of Voyage	Signature of Master and of Shipping Master with official stamp
1	2	3	4		5	6
1.					1.	(1) (2)
2.					2.	(1) (2)
3.					3.	(1) (2)
4.					4.	(1) (2)
5.					5.	(1) (2)
6.					6.	(1) (2)
7.					7.	(1) (2)
8.					8.	(1) (2)
9.					9.	(1) (2)
10.					10.	(1) (2)
11.					11.	(1) (2)
12.					12.	(1) (2)
13.					13.	(1) (2)
14.					14.	(1) (2)
15.					15.	(1) (2)
16.					16.	(1) (2)
17.					17.	(1) (2)
18.					18.	(1) (2)
19.					19.	(1) (2)
20.					20.	(1) (2)
21.					21.	(1) (2)

1	2	3	4	5	6	7
22.				22.	(1) (2)	
23.				23.	(1) (2)	
24.				24.	(1) (2)	
25.				25.	(1) (2)	
26.				26.	(1) (2)	
27.				27.	(1) (2)	
28.				28.	(1) (2)	
29.				29.	(1) (2)	
30.				30.	(1) (2)	
31.				31.	(1) (2)	
32.				32.	(1) (2)	
33.				33.	(1) (2)	
34.				34.	(1) (2)	
35.				35.	(1) (2)	
36.				36.	(1) (2)	
37.				37.	(1) (2)	
38.				38.	(1) (2)	
39.				39.	(1) (2)	
40.				40.	(1) (2)	
41.				41.	(1) (2)	
42.				42.	(1) (2)	
43.				43.	(1) (2)	

1	2	3	4	5	6	7
44.				44.	(1) (2)	
45.				45.	(1) (2)	
46.				46.	(1) (2)	
47.				47.	(1) (2)	
48.				48.	(1) (2)	
49.				49.	(1) (2)	
50.				50.	(1) (2)	
51.				51.	(1) (2)	
52.				52.	(1) (2)	
53.				53.	(1) (2)	
54.				54.	(1) (2)	

*These columns are to be filled in at time of engagement.

† In Engineer's Books insert Horse Power. In Radio Officer's Books insert gross tonnage and wireless classification of Ship.

HOME ADDRESS OF SEAMAN

(To be entered by the Seaman)

NEXT OF KIN OF SEAMAN WITH ADDRESS

Name & Relationship

Address

REGISTER OF CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE

Form 2

See rule 7

REGISTERED No. OF DISCHARGE BOOK.....

DATE OF ISSUE OF CERTIFICATE.....

Emblem

Issued by-

THE GOVERNMENT OF INDIA

(1) Medical Roster No. & Port

SEAMAN'S

(2) Pre-Sea Training Certificate
No. and place of issue

PHOTOGRAPH

(3) Seamen's Employment Office
Registration No. Port & Date

SEAMAN'S

(4) Certificate of Efficiency as a
Life-boatman(5) No. of Certificate of Competency
in Cooking

(Form 2 continued)

Name of the seaman in full.....Date of Birth.....Place of Birth & Nationality.....Race or Religion.....

Village

Certificate of
Competency, if any.

*Name of Seamen's father.....Thana

P.O.

Grade

Number

District

Height

Colour of Complexion

Tattoo or other Distinguishing marks

Feet

Inches

Eyes

Hair

Record of any award or commendation received by the Seaman.
(The entry should be signed by the SHIPPING MASTER,
dated and stamped)Signature of seaman or
left hand/thumbs impression

Issued on

SHIPPING MASTER

*Thumb Impression of holder

Left

Right

*Note:—Stop orders should be written in red ink to attract attention. Stop orders and other orders are to be cancelled as soon as they cease to operate. All entries, additions and alterations in this register must be initialled by the SHIPPING MASTER, and they will not, otherwise be recognised. Clerks are warned that they are liable to be prosecuted if they tamper with this register.

No.	Name of Ship and Official number and tonnage*	Date and Place of Engagement — Discharge	Rating	Description of voyage	Name of Master	Shipping Master's Initial
-----	---	---	--------	--------------------------	-------------------	---------------------------------

1

2

3

1	2	3	4	5	6	7
4						
5.						
6.						
7.						
8.						
9.						
10.						
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						
21.						
22.						
23.						
24.						
25.						
26.						
27.						
28.						
29.						
30.						
31.						
32.						
33.						
34.						

1	2	3	4	5	6	7
35.						
36.						
37.						
38.						
39.						
40.						
41.						
42.						
43.						
44.						
45.						
46.						
47.						
48.						
49.						
50.						
51.						
52.						
53.						
54.						
55.						
56.						
57.						
58.						
59.						
60.						

*In Engineer's Books insert Horse Power. In Radio Officer's Books insert gross tonnage and wireless classification of ship.

Form 3

(See rule 15)

Return in respect of Continuous discharge certificates issued to seamen during the quarter ending.....
at the port of.....

No. of Continuous Discharge Certificates issued

Deck	Engine room	Saloon	Total
Foreign-going			
Home Trade			

No. of duplicate Continuous Discharge Certificates issued.....

SHIPPING MASTER

To

The Director General of Shipping,
BOMBAY.

ANNEXURE

See rule 6(2)

Name of ports and their code letters for purposes of issue of.....

Continuous Discharge Certificate

Name of Port	Code letters
1. BOMBAY	BY
2. CALCUTTA	CL

Form 4

(See rule 17)

No.

CERTIFICATE OF DISCHARGE

EMBLEM

(Section 119 of the Merchant Shipping Act, 1958)

Seamen discharged from

Name of Ship Prescribed by the Government of India

Official Number	Name and Official Number of Ship	Port of Registry	Tonnage	Description of Employment	Voyage or
Port of Registry					

Name of Seaman	Place of Birth	Date of Birth	Capacity	Date of Engagement	Date of Discharge	Place of Discharge
----------------	----------------	---------------	----------	--------------------	-------------------	--------------------

Name of Seaman

Height and Identification
marksDate of sailing from Home
PortDate of arrival at Home
Port

Date of issue

I CERTIFY that the above particulars are correct, and that the above-named Seaman was discharged accordingly;

Signature of Shipping Master.

Dated this

Day of
Seaman,19 .
Master